'तेरा वर्ष'

साक्षीद्रष्टा सप्ताह

07.12.2013

1. स्वमान – मैं ब्रह्मा बाप समान सदा शिव बाबा का साथी और संसार से साक्षी हूँ।

- ब्रह्मा बाबा सदा एक शिव बाबा के साथी रहे और जैसे कहा जाता है कि जैसा संग वैसा रंग, तो ब्रह्मा बाबा भी शिव बाबा की तरह साक्षी बनते गए...साक्षी होंगे तो साथी के साथ का अनुभव होगा और साथी होंगे तो साक्षी होना सहज लगेगा...इसलिये जैसे ब्रह्मा बाबा ने ज्ञान के प्रथम दिन से ही एक बाबा को साथी बनाया और धीरे-धीरे अपने देह और देह की दुनिया से साक्षी होते गए, ऐसे ही फॉलो फादर...।

2. योगाभ्यास –

अ. जैसे हम ड्रामा देखते हैं तो साक्षी होकर मंच पर खेले जाने वाले खेल का आनंद लेते हैं, वैसे ही इस सप्ताह हम अपने और हर आत्मा के पार्ट को साक्षी होकर देखेंगे और ड्रामा के हर दृश्य का आनंद लेंगे।

ब. साक्षी स्थिति का आनंद लेने और इसका सुंदर अनुभव करने के लिए इस सप्ताह हम बाबा को साथी बनाकर उनके अंग-संग रहेंगे...जैसे वो सबको साक्षी होकर देखते हैं और सकाश देते हैं, वैसे ही हम भी उनके साथ साक्षी होकर सभी मनुष्यात्माओं और प्रकृति को सकाश देंगे...।

3. धारणा – साक्षीभाव

- साक्षीभाव को ही गीता में `स्थितिप्रज्ञ` अवस्था कहा गया है, जिसकी अपार महिमा है।
- `यदि तुम साक्षीभाव में रहो तो एक महिने का काम एक दिन में पूरा कर सकते हो।`
- `साक्षीपन की स्थिति ड्रामा में हीरो पार्ट बजाने में सहयोगी होती है।`**– शिव बाबा**

4. चिंतन –

- साक्षीभाव का यथार्थ भाव क्या है ?
- क्या साक्षीभाव का अर्थ निष्क्रिय वा कर्त्तव्य विमुख हो जाना है ?
- साक्षी रहकर कैसे अपने कर्त्तव्यों का निर्वाह करें, इस संदर्भ में अपने अनुभव लिखें व एक-दूसरे के साथ बाँटें ?
- वर्तमान समय साक्षीभाव की आवश्यकता एवं महत्ता ?
- `साक्षीद्रष्टा ब्रह्मा बाबा` कैसे रहे होंगे ?

5. तपस्वियों प्रति – प्रिय तपस्वियों ! साक्षीभाव हमारी आध्यात्मिक साधना के उत्कृष्टतम् फलों में से एक है। साक्षीभाव में स्थित साधक सभी इफेक्ट्स से परे प्रायः परफेक्ट होता है। यह स्थिति अचल-अडोल स्थिति बना देती है क्योंकि यह स्थिति त्रिकालदर्शी की स्थिति है। क्या आप जानते हैं कि बाबा सदा क्यों मुस्कुराते रहते हैं ? क्योंकि वे सदा साक्षी रहते हैं और जो साक्षी होकर खेल देखता है, वह सदा खेल का आनंद लेता है। ब्रह्मा बाबा, मम्मा, दादी अपने अंतिम समय में कितने शांत और मग्न हो गए थे...क्योंकि वे साक्षी और निरंतर बाबा के साथी हो गए थे। ऐसे ही फॉलो पूर्वज।